आकाशवाणी श्री विजयपुरम

दिनांक : 17.02.2026 समय : 0705

<><><><><><><><>

- केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह आज गुजरात में राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के सहकारिता मंत्रियों के उच्च स्तरीय राष्ट्रीय सम्मेलन की अध्यक्षता करेंगे।
- सांसद बिष्णु पद रे ने छात्रों के प्रदर्शन को देखते हुए प्रधानमंत्री और केंद्रीय गृह मंत्री से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है।
- राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के सिलसिले में बाईस फरवरी से 'विज्ञान सप्ताह' का आयोजन किया जाएगा।
- राष्ट्रीय भारतीय सैन्य कॉलेज, देहरादून में जनवरी 2027 सत्र के लिए कक्षा आठवीं में प्रवेश हेतु आवेदन आमंत्रित– प्रवेश परीक्षा सात जून को आयोजित।

<><><><><><><><>

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह आज गुजरात में राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के सहकारिता मंत्रियों के उच्च स्तरीय राष्ट्रीय सम्मेलन की अध्यक्षता करेंगे। इसका आयोजन गांधीनगर के महात्मा मंदिर में होगा। 'मंथन' नामक यह बैठक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'सहकार से समृद्धि' के विजन को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। इसका उद्देश्य सहकारिता क्षेत्र को अधिक पारदर्शी, आधुनिक और सदस्य–केंद्रित बनाने के लिए संरचनात्मक सुधारों पर विचार करना है। बैठक में सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के सहकारिता मंत्री तथा वरिष्ठ अधिकारी भाग लेंगे। सम्मेलन में सहकारिता क्षेत्र को सशक्त बनाने और जमीनी स्तर पर आर्थिक समृद्धि सुनिश्चित करने के उपायों पर व्यापक चर्चा की जाएगी।

<><><><><><><><>

सांसद बिष्णु पद रे ने प्रस्तावित 'डीम्ड यूनिवर्सिटी' के स्थान पर केंद्रीय विश्वविद्यालय स्थापित करने की मांग को लेकर चल रहे छात्र आंदोलन के सिलसिले में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। सांसद ने कहा कि सरकार की ओर से कोई प्रतिक्रिया न मिलने और आगामी सेमेस्टर परीक्षाओं को देखते हुए, द्वीप समूह के सभी सात डिग्री कॉलेजों के छात्र शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। कल पूरे तीनों जिलों में पूर्ण बंद रहा। सांसद ने लद्दाख मॉडल की तर्ज पर अंडमान निकोबार द्वीप समूह में एक केंद्रीय विश्वविद्यालय स्थापित करने का सकारात्मक निर्णय लेने का

अनुरोध किया। सांसद ने केंद्र सरकार से तत्काल हस्तक्षेप और ठोस आश्वासन की अपील की है, ताकि छात्रों के विरोध प्रदर्शन को शांतिपूर्ण ढंग से समाप्त किया जा सके।

<><><><><><><>

स्वयं सहायता समूहों को बाजार उपलब्ध कराने और उनकी आजीविका को मजबूत करने के उद्देश्य से सामुदायिक विकास खंड, फरारगंज की ओर से विम्बर्लीगंज ग्राम पंचायत के समन्वय से दो दिवसीय ब्लॉक मेले का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन पंचायत समिति प्रमुख डी. पद्मावती ने पीआरआई सदस्यों, निर्वाचित प्रतिनिधियों और ब्लॉक प्रशासन के अधिकारियों की उपस्थिति में किया। इस अवसर पर वक्ताओं ने अपने संबोधन में महिला सशक्तिकरण और ग्रामीण आजीविका को बढ़ावा देने में स्वयं सहायता समूहों की भूमिका पर जोर दिया और उन्हें उत्पादों की गुणवत्ता व पैकेजिंग सुधारने के लिए प्रोत्साहित किया। मेले में 39 स्वयं सहायता समूहों के कुल 45 सदस्यों ने भाग लिया। मेले में बेंत, बांस, समुद्री शंख और नारियल के खोल से बनी हस्तशिल्प वस्तुएं, सजावटी पौधे, प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ और घरेलू व्यंजन प्रदर्शित किए गए। समापन अवसर पर रचनात्मकता और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए हस्तशिल्प, खाद्य सामग्री और पौधों की श्रेणियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले समूहों को पुरस्कृत किया गया।

<><><><><><><>

बाराटांग स्थित अग्निशमन केंद्र की ओर से कल अंडमान निकोबार राज्य सहकारी बैंक में अग्नि सुरक्षा निरीक्षण और जागरूकता प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अभियान का उद्देश्य बैंक की अग्नि सुरक्षा तैयारियों को मजबूत करना और राष्ट्रीयकृत बैंकों के लिए भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा निर्धारित सुरक्षा दिशा–निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित करना था। कार्यक्रम के दौरान बैंक परिसर में स्थापित सभी अग्निशमन उपकरणों का निरीक्षण किया गया। बैंक कर्मचारियों के लिए अग्नि निवारण उपायों और अग्निशामक यंत्रों के सही उपयोग पर एक व्यावहारिक प्रशिक्षण सत्र भी आयोजित किया गया।

<><><><><><><>

सर सी.वी. रमन द्वारा 'रमन प्रभाव' की खोज की स्मृति में, हर साल अट्ठाईस फरवरी को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया जाता है। इस अवसर पर विज्ञान केंद्र, की ओर से स्कूली छात्रों के लिए बाईस फरवरी से अट्ठाईस फरवरी तक 'विज्ञान सप्ताह' का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं के आयोजन किए जाएंगे। इच्छुक छात्र इक्कीस फरवरी तक व्हाट्सएप नंबर 9476095554 पर पंजीकरण कर

सकते हैं। इन प्रतियोगिताओं के लिए छात्रों को अधिकतक दो मिनट की अच्छी गुणवत्ता वाली स्व–निर्मित वीडियो बनाकर निर्धारित व्हाट्सएप नंबर पर भेजना होगा। वीडियो भेजते समय छात्रों को अपना नाम, कक्षा, स्कूल का नाम और फोन नंबर लिखने को कहा गया है।

<><><><><><><>

भारतीय भौतिक विज्ञानी सर सी वी रमन द्वारा 'रमन प्रभाव' की खोज के सम्मान में हर साल 28 फरवरी को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया जाता है। इस अवसर पर, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, की ओर से कॉलेज स्तरीय छात्रों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं के आयोजन किए जा रहे हैं। इस सिलसिले में 25 फरवरी को सुबह 9 बजे से विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी भवन, डॉलीगंज में "सतत भविष्य के लिए विज्ञान" विषय पर चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। इसके लिए छात्र पी. सेंथिल कुमार के पास या सीधे निर्धारित कार्यक्रम स्थल पर पहुँच कर पंजीकरण करा सकते हैं।

<><><><><><><>

राष्ट्रीय भारतीय सैन्य कॉलेज, देहरादून में जनवरी 2027 सत्र के लिए कक्षा आठवीं में प्रवेश हेतु लड़के और लड़कियों से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इस प्रवेश परीक्षा का आयोजन 07 जून को किया जाएगा। इसके लिए आवेदन करने वाले उम्मीदवार प्रवेश के समय किसी मान्यता प्राप्त स्कूल में कक्षा 7वीं में पढ़ रहा हो या उत्तीर्ण कर चुका हो। उम्मीदवार की आयु पहली जनवरी को ग्यारह से तेरह वर्ष के बीच होनी चाहिए। विवरणिका और पुराने प्रश्न पत्रों का सेट प्राप्त करने के लिए RIMC की वेबसाइट के माध्यम से सामान्य उम्मीदवारों को 600 रूपये और एस सी, एस टी उम्मीदवारों को 555 रूपये का भुगतान करना होगा। द कमांडेंट आरआईएमसी फंड, ड्रावी ब्रांच, एचडीएफसी बैंक, बल्लुपुर चौक, देहरादून के पक्ष में ड्राफ्ट भेजकर भी विवरणिका प्राप्त की जा सकती है। केवल RIMC द्वारा जारी होलोग्राम वाले मूल आवेदन पत्र ही स्वीकार किए जाएंगे। आवेदक आवश्यक दस्तावेजों के साथ भरे हुए आवेदन फार्म पांच अप्रैल तक टैगोर राजकीय शिक्षा महाविद्यालय में जमा कर सकते हैं।

<><><><><><><>

छत्रपति शिवाजी महाराज की 396वीं जयंती के अवसर पर माय भारत की ओर से विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए गए। इस अवसर पर कार्बाइंस कोव तट पर सैंड आर्ट कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें क्षेत्र के कलाकारों ने भाग लिया। कल महाराष्ट्र मंडल के सभागार में एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इससे पूर्व, माय भारत के संयुक्त निदेशक सुखा रंजन विश्वास ने अपने संबोधन में

शिवाजी महाराज की शिक्षाओं को युवाओं के जीवन में उतारने और एक प्रगतिशील राष्ट्र के निर्माण पर जोर दिया। कार्यक्रम का समापन समारोह उन्नीस फरवरी को फ्लैग पॉइंट में आयोजित किया जाएगा।

<><><><><><><>

पशुपालन एवं पशु चिकित्सा विभाग और कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन एजेंसी के सहयोग से हरमिंदर बे एकीकृत कृषि प्रणाली पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में व्यावहारिक और लाभदायक कृषि मॉडलों पर ध्यान केंद्रित किया गया। प्रशिक्षण के दौरान किसानों को वर्मीकम्पोस्ट बनाने की तकनीक सिखाई गई। डेयरी, बकरी पालन और सुअर पालन की लघु इकाइयाँ स्थापित करने पर विशेष सत्र आयोजित किए गए।

<><><><><><><>